लाल देव प्रसाद

पिता–श्री **लखन देव** सिंह, ग्राम–**नीलकोठी** प्रखण्ड–**हसपुरा**, जिला–**औरंगाबाद**, बिहार

श्रमेव जयते

दृढ़ इच्छा शक्ति एवं सत्य संकल्प हो तो सफलता निश्चित प्राप्त होती है। लालदेव प्रसाद पिता श्री लखन देव सिंह मूलतः औरंगाबाद जिला के हसपुरा प्रखंड के नीलकोठी ग्राम के रहने वाले कृषक हैं। उन्होंने सम्पूर्णानन्द विश्वविद्यालय वाराणसी से 1989 में आपने आर्चाय स्तर की शिक्षा पुरी की। तदुपरान्त श्री लालदेव प्रसाद जी देवनन्दन संस्कृत प्राथमिक–सह–मध्य विद्यालय नील कोठी में प्राचार्य के रूप में अवैतनिक सेवा की, परन्तु वेतन नहीं मिलने के चलते स्थिति खराब होने लगी। लेकिन कुछ समय बाद ही इनका पुरूषार्थ जाग उठा! उन्होने पशुपालन द्वारा ही स्वरोजगार से

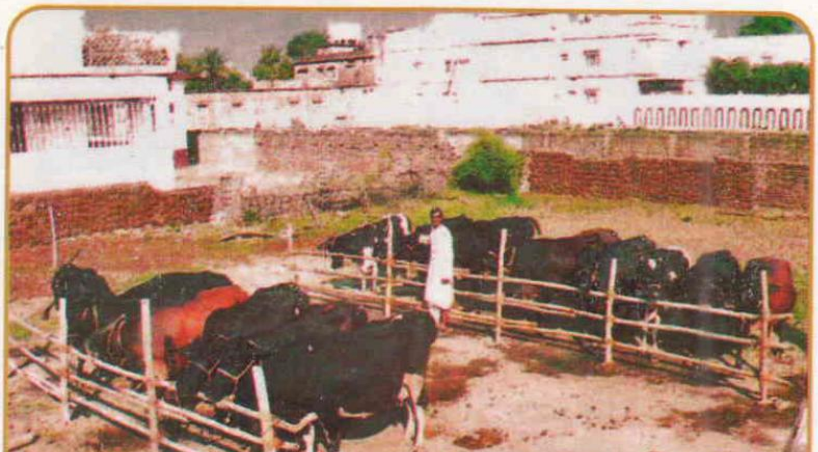

स्वालम्बन के लिए संकल्प लिया। पशुपालन के संबंध में इनके मन में तरह–तरह के संकल्प–विकल्प उठने लगे। अंततः इन्होने औरंगाबाद शहर में आकर यह रोजगार आरम्भ करने का निश्चय किया। औरंगाबाद आकर इन्होने वित्त व्यवस्था हेतु प्रधानमंत्री रोजगार योजनान्तर्गत ऋण के लिए आवेदन दिया। पशुपालन विभाग के डॉ0 ब्रजेश कुमार सिन्हा तत्कालीन पशुचिक्त्सा पदाधिकारी से इन्होने सर्म्पक किया। डॉ0 सिन्हा ने इन्हें तत्कालीन जिला पशुपालन पदाधिकारी श्री डॉ0 नर्मदेश्वर सिंह से मिलवाया। दोनो डाक्टर ने श्री लालदेव प्रसाद जी को भरपूर सहयोग देने का आश्वासन दिया। जिला उद्योग कार्यालय औरंगाबाद से इन्हें 1,00,000/– एक लाख रूपये का ऋण स्वीकृत किया गया। 65,000/– पैसठ हजार रूपये ऋण में मिला। इससे श्री लालदेवजी ने एक गाय खरीदी एवं सटरींग

का सामान खरीदा। गाय की सेवा होने लगी। संयोगवश गाय बीमार हो गई। श्री लालदेव प्रसाद जी को घबराहट हुई। डॉ0 ब्रजेश कुमार जी ने गाय की जीवन बीमा कराने की सलाह दी। जीवन बीमा करा दिया गया। अब लालदेव प्रसाद जी का आत्मबल बढ़ा। उसके बाद उन्होने दूसरी गाय खरीदी और दो गायों से उनकी वंश वृद्धि कृत्रिम गर्भाधन से होने लगी। गो पालन में इन्हे रस मिलने लगा एवं उनके गो सेवा का एक रूटीन बन गया। आज उनके पास गौ परिवार के 21 सदस्य हैं जिनमें सबों को इनका भरपूर प्यार प्राप्त है। गो पालन के आय से आज इन्होने औरंगाबाद में जमीन खरीदी, मकान बनाया, बच्चों को शिक्षा दी एवं उनका विवाह कराया।

आज लालदेव प्रसाद जी दूसरों के लिए एक आदर्श प्रेरणास्रोत हैं। उपने पूरे परिवार के साथ बहुत ही सुखी जीवन बिता रहे हैं। सच ही दृढ़ इच्छा शक्ति, सच्ची निष्ठा एवं सतत लक्ष्य प्राप्ति के प्रयास से हर कोई सपफलता की शीर्ष पर पहुँच सकता है। लालदेव प्रसाद जी की सफलता की कहानी कह कर लोगों के लिए प्रेरणादायक है।

संकलनकर्त्ता
डा0 ब्रजेश कुमार सिन्हा
भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी सन्सा
द्वारा– जिला पशु पालन पदाधिकार, औरंगाबाद

वैज्ञानिक विधि से पशुपालन में प्रशिक्षण
4-8 अक्टू. 2010.
आयोजक:- परियोजना अधिकारी "आत्मा" औरंगाबाद (बिहार)
कृषि विज्ञान केन्द्र
राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान करनाल